विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा-5 **तिथि-27/05/2020**

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत में पाठ तृतीय 'व्यंजन वर्ण 'के बारे में विस्तार से समझेंगे

तृतीयः पाठः

व्यंजन वर्ण

व्यंजन वर्णस्य भेदाः

व्यंजन वर्ण मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं –

(क) स्पर्श व्यंजन (ख) अंतःस्थ व्यंजन (ग)उष्म व्यंजन

*स्पर्श व्यंजन वर्ण- स्पर्श व्यंजन में पांच वर्ग हैं। प्रत्येक वर्ग में पांच (5) वर्ण हैं।इस प्रकार कुल मिलाकर 25 स्पर्श व्यंजन है। तथा(जैसे)-

(क)कवर्ग- क्,ख्,ग्, घ्,ङ।

(ख) **चवर्ग – च्, छ्,ज्,झ्,ञ् ।**

(ग) **टवर्ग- ट्,ठ्,ड्,ढ्, ण्।**

(घ) **तवर्ग- त् ,थ्,द्, ध्,न्।**

(ङ) **पवर्ग- प्, फ्,ब्,भ्,म् ।**

*अंत स्थ व्यंजन वर्ण – अंतःस्थ व्यंजन में चार वर्ण हैं।

यथा- य्, र्, ल्, व्।

*उष्म व्यंजन वर्ण- उष्म व्यंजन वर्ण भी चार माने गए हैं-

यथा- श्,ष्,स्,ह्।

स्वर एवं व्यंजन वर्ण के अतिरिक्त दो अयोगवाह है।

(क) अनुस्वार= (ं)

(ख) विसर्ग= (:)

शब्दार्थ:-

- काः= कौन
- बालिके=दो लड़कियां
- अत्र= यहां
- बालिका= लड़की
- नृत्यति=नृत्य करता/करती है।

1. <u>प्रश्नो के उत्तर लिखे-</u>

(क) व्यंजन वर्ण मुख्यतः कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखे।

(ख) 'स्पर्श वर्ण कितने होते हैं?

(ग) अंतःस्थ वर्ण कितने होते है?

2.शब्दार्थ लिखे:-

बालिके=

अत्र=

बालिका=

काः=

नृत्यति=

SUBJECT TEACHER-SUMITA KUMARI